ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय
जबलपुर, मध्य प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-01-2021

सिंगरौली(मध्य प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-01-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-01-06	2021-01-07	2021-01-08	2021-01-09	2021-01-10
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	25.0	27.0	27.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	14.0	14.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	69	65	60	64	77
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	27	28	31	39
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7.0	3.9	8.2	6.2	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	68	162	108	112	248
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	1	0	4	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार,सिंगरौली जिले मे आगमी 5 दिनो मे 6,7,9 और 10 को जनवरी बादल छाये रहने और 10 जनवरी में हलकी बारिश की संभावना है । हवा 3.9 -8.0 किमी. प्रति घंटे की गति से ज्यादातर पूर्व दिशा में चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 24.0-27.0°C तथा न्युनतम तापमान 14.0-15.0°C तथा हवा में सापेक्षिक आर्द्रता 27-77 (%) प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

सभी फसलों को पाले से बचाव हेतु संभव हो तो सिचाईं करे , शाम के समय खेत के उत्तर पश्चिम कोनो में धुँआ करे ।

लघु संदेश सलाहकार:

टमाटर में अगेती झुलसा व्याधि रोग से बचाव हेतु हेक्सकोनाजोल की ०.१ मात्रा का छिड़काव करे ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	समय से बोये गए चने की खुटाई बुवाई के ३० दिन बाद करना लाभप्रद होगा। खुटाई के उपरांत फली बेधक कीट के प्रबंधन हेतु लकड़ी के 2.5 फीट ऊंचे टी (T) के आकर की 50 बर्ड परचर प्रति हेक्टेयर की दर से लगाए ।
गेहूँ	समय पर सिंचित अवस्था में बोये गए गेहूँ में चौड़ी पत्ती एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवार प्रबंधन हेतु सल्फो सल्फ्यूरोन की 25 ग्राम सक्रिय तत्व अथवा मेट्रीब्यूजीन की 175 ग्राम सक्रिय तत्व की प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 25-30 दिन के बाद छिड़काव करे ।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर में पर्न कुंचन रोग के कारण संक्रमित पत्तियां टेढ़ी-मेढ़ी होकर सिकुड़ जाती हैं और पौधों की बढ़वार भी रूक जाती है। फल एवं फूल गिरने लगते हैं. इसके नियंत्रण के लिए रोग ग्रस्त पौधों को उखाड़कर जमीन में दबा दें या जला दें इसके तुरंत बाद इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. की 0.003 प्रतिसत अथवा थायो मेथाक्सिम 25डब्लू.एस. की 0.003 प्रतिसत घोल का छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज में रोपाई के 15 दिन बाद खरपतवार नियंत्रण हेतु ऑक्सीक्लोरोफिन 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे ।
प्याज	प्याज की नर्सरी में अर्द्ध गलन रोग के प्रबंधन हेतु कॉपर ऑक्सीक्लोराइड की ३ ग्राम मात्रा प्रति लीटर की दर से घोल बना कर ७-८ लीटर घोल प्रति वर्ग मीटर की दर से ड्रेंचिंग करना लाभप्रद होगा। प्याज में रोपाई के 15 दिन बाद खरपतवार नियंत्रण हेतु ऑक्सीक्लोरोफिन 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे ।
बैंगन	बैगन में तना एवं फल बेधक कीट के प्रबंधन के लिए क्लोरेंट्रानीलीप्रोल 18.5 ऐ. सी.की 3 मिलीलीटर मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें या इमामेक्टीन बेंजोएट 5 एम्.जी. की 5 ग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मिर्च	मिर्च में पर्न कुंचन रोग के कारण संक्रमित पत्तियां टेढ़ी-मेढ़ी होकर सिकुड़ जाती हैं और पौधों की बढ़वार भी रूक जाती है। फल एवं फूल गिरने लगते हैं. इसके नियंत्रण के लिए रोग ग्रस्त पौधों को उखाड़कर जमीन में दबा दें या जला दें इसके तुरंत बाद इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. की 0.003 प्रतिसत अथवा थायोमेथाक्सिम 25डब्लू.एस. की 0.003 प्रतिसत घोल का छिड़काव करें।
सब्जी पीईए	सब्जी मटर में फली वेधक कीट के प्रबंधन हेतु इमामेकिटिन बेंज़ोएड का छिड़काव करे ।
आलू	आलू में पिछेती झुलसा रोग से बचाव हेतु रिडोमिल एम. जेड . की २ ग्राम मात्रा प्रति लीटर की दर से घोल बना कर छिड़काव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू पशुओं को संतुलित आहारस्थानीय उपलब्धतया के आधार पर गेहूँ + मक्का की चोकर,दलिया 50-60 प्रतिशत,चुनी(अरहर +चना) 15 -20 प्रतिशत, खली (सरसो +अलसी+ बिनोला)10-15 प्रतिशत, खनिज मिश्रण 1 प्रतिशत, नमक 1 प्रतिशत, चुना 1 प्रतिशत मिलाकर खिलायें। बनाये गये संतुलित आहार का भैसों में प्रति 2.5 किग्र दूध उत्पादन के लिए 1 किग्रा संतुलित आहार मिलाएं एवं गायों में प्रति 3 किग्रा दूध उत्पादन पर 1 किग्रा संतुलित आहार मिलाएं।गंभीर रोगों से बचवाव के लिए पशुओं (गाय, भैंस और बकरी) में समय-समय पर टीकाकरण अवश्य कराते रहे।
गाय	पशुओं को न्यूनतम तापमान होने की दसा में ठंड से बचाये। गिरते हुए तापमान को देखते हुए पशुशाला की खिड़किया एवं दरवाजा रात को बंद कर दे रात्रि का तापमान कम है अतः कम उम्र के पशुओं को रात्रि में ठंड से बचाव करे इसके लिए बोरो के पर्दे लगये। ठंड लगने पर नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श ले।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	कृषको को सलाह दी जाती है कि वे निराई - गुड़ाई के साथ साथ कीट व्याधि एवं रोग कि रोकथाम के लिए चना , मटर , मसूर , सरसों आदि फसलों पर निगरानी रखे ।